विविधता हेतु शिक्षा
(Education for Diversity)

मनुष्य का जीवन विविधतापूर्ण है, जहाँ मनुष्य ही नहीं सम्पूर्ण सृष्टि प्राणी-जगत तथा प्रकृति वैविध्यपूर्ण है। पुष्प के रंग, सुगंध में विविधताएं हैं। पक्षियों के कलरव और मानव के गान में विविधता है। यह विविधता अखण्डता को तोड़ने में अपितु संजोने और जोड़ने में सहायक है क्योंकि यदि रंग, रूप, आवाज इत्यादि में विविधता न होती तो सृष्टि का क्रम कैसे पता चलता। अतः विविधता का संप्रत्यय आवश्यक है।

विविधता को कुछ कारक प्रभावित करते हैं जो की निम्न लिखित हैं।

विविधता को प्रभावित करने वाले कारक

- जलवायवीय कारक
- भौगोलिक कारक
- सांस्कृतिक कारक
- सामाजिक कारक
- आर्थिक कारक
- राजनैतिक कारक
- अन्तर्राष्ट्रीय कारक
- शैक्षिक कारक

Scanned by CamScanner

Notes Date

विविधता के गुण एवं दोष

* (Merits and Demerits of Diversity)

विविधता का गुण ईश्वरकृत और प्राकृतिक है। विविधता के द्वारा ही मनुष्य अपनी दैनिक क्रियाओं का संचालन तथा सृष्टि का क्रम सुचारु रूप से चला रहा है। विविधता के गुण के साथ ही साथ दोष भी है जो की निम्नलिखीत है :—

* विविधता के गुण :—

(i) विविधता न होती तो जीवन उबाऊ हो जाता।

(ii) विविधता के द्वारा ही सृष्टि अवाध रूप से गति कर रही है।

(iii) परस्पर निर्भरता हेतु विविधता उपयोगी है।

(iv) व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने में तभी सक्षम हो पा रहा है जब विविधता है।

(v) विविधता के द्वारा श्रेष्ट के चयन की छूट होती है।

(vi) विविधता के द्वारा व्यक्ति की रचनात्मक शक्तियों का विकास होता है।

Scanned by CamScanner

(vii) विविधता के द्वारा उदार तथा शान्तिपूर्ण सह-अस्तित्व की भावना का विकास होता है।

(viii) - विविधता सांस्कृतिक गौरव की परिचायक है।

(ix) विविधता चाहे वह वैचारिक हो सामाजिक हो यह आर्थिक देश की प्रगति में आवश्यक है।

(x) विविधता के द्वारा ही हम एक दूसरे के पूरक बन सकते हैं और प्रत्येक प्रकार की समस्या का समुचित समाधान करने में समर्थ हो सकते हैं।

विविधता के दोष :—

विविधता के कुछ दोष निम्नलिखित हैं :—

(i) विविधता को आधार बनाकर अशान्ति का वातावरण सृजित करना।

(ii) जातीय, प्रजातीय तथा धार्मिक विविधता के आधार पर साम्प्रदायिकता फैलाना।

(iii) ऊँच-नीच की भावना का विकास करना।

(iv) देश की एकता एवं अखण्डता हेतु खतरा।

(v) भाषायी विविधता के आधार पर बनाकर दंगे करवाना

(vi) भौगोलिक विविधता को आधार बनाकर

Scanned by CamScanner

पृथक राज्यों की माँग करके शान्ति व्यवस्था भंग करना।

(vii) अन्य संस्कृतियों को हेय दृष्टि से देखना।

(viii) विविधता के कारण लोग परस्पर मिल-जुल कर नहीं रह पाते हैं।

(ix) विविधता का एक दोष यह भी है कि श्रेष्ठ और सक्षम सदैव निर्बलों को अपनी श्रेष्ठता मानने हेतु विवश करना।

(x) सांस्कृतिक टकराहट तथा युद्ध की स्थितियों का पनपना।

(xi) राजनीति में विविधता को मोहरा बनाकर विकास के स्थान पर गंदी राजनीति करना।

(xii) प्रतिस्पर्द्धात्मक वातावरण जिससे आगे बढ़ने में मानवता का हनन हो रहा है।

असमानता का अर्थ
(Meaning of Inequality)

असमानता का अर्थ राज्य द्वारा देश के सभी बच्चों के लिए - रंग, रूप, जाति, धर्म अथवा लिंग के आधार पर भेदभाव करना है। अर्थात हम असमानता को सामाजिक संदर्भ में देखें तो इसका अर्थ है व्यक्तियों के आहार-विहार,

Scanned by CamScanner

Notes

Date

आचार - विचार और उनकी संस्कृति (भाषा - साहित्य, धर्म - दर्शन एवं रीति - रिवाज) में अंतर होता है और उनकी आर्थिक स्थिति में अन्तर होना समाज के सभी व्यक्तियों को बिना किसी भेदभाव के समान सुविधा तथा विकास के समान अवसर प्रदान न करना। वैसे तो भारतीय संविधान में समाज के सभी व्यक्तियों के लिए समान अवसर प्रदान करने की घोषणा है परन्तु व्यवहार में इन सबमें आज भी असमानता है।

अतः शिक्षा जिसे मानव व मानव के मध्य व्याप्त हर विभेद को नष्ट करने का शस्त्र माना जाता है, झूठा सिद्ध होता दिखाई देता है। विभिन्न अध्ययन भी यह पुष्टि करते हैं कि शिक्षण संस्थाओं में जातीय भेदभाव के चलते अपनी पढ़ाई को बीच में ही छोड़ देते हैं। शिक्षा में असमानता के शिकार केवल कमजोर वर्ग के बच्चे व दलित बच्चे ही नहीं हो रहे हैं बल्कि बालिकाएँ व विशेष बच्चे भी इसकी परिधि में आ रहे हैं।

Scanned by CamScanner